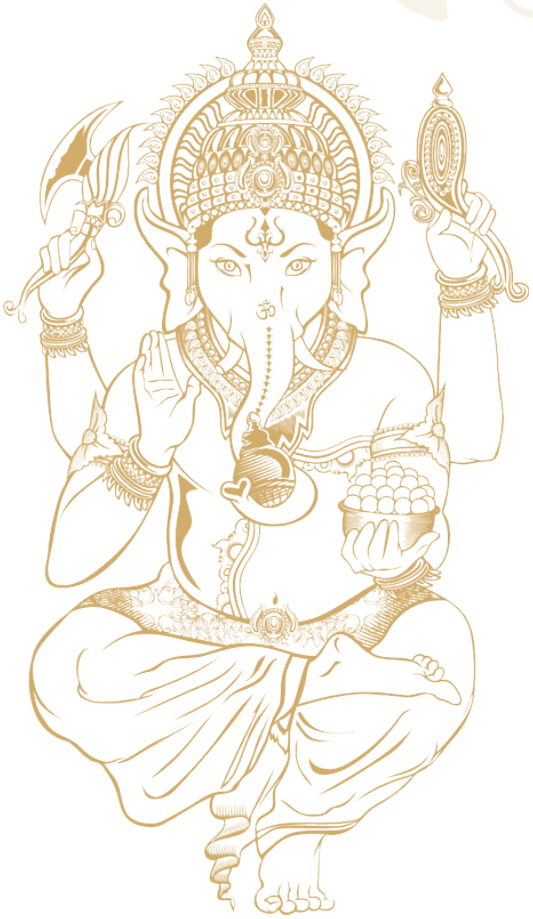

Vishnu s/o Ashu Vaid

04 Sep 2014

10:37 AM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121927307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/2014**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:37:00 घंटे**
इष्ट	11:30:32 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:14:08 घंटे
वेलान्तर	00:00:52 घंटे
साम्पातिक काल	09:07:07 घंटे
सूर्योदय	06:00:47 घंटे
सूर्यास्त	18:42:33 घंटे
दिनमान	12:41:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:32:48 सिंह
लग्न के अंश	16:03:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:03:50	304:41:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	17:32:48	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	09:58:43	14:10:50	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	29:34:15	00:38:43	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध			कन्या	08:53:39	01:28:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			कर्क	16:45:34	00:12:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	04:04:57	01:14:07	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			तुला	24:11:52	00:04:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	उच्च राशि
राहु	व		कन्या	25:50:52	00:03:03	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:50:52	00:03:03	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	21:42:26	00:01:53	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	11:58:02	00:01:38	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	17:01:09	00:00:33	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	20:15:13	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:50

लग्न-चलित

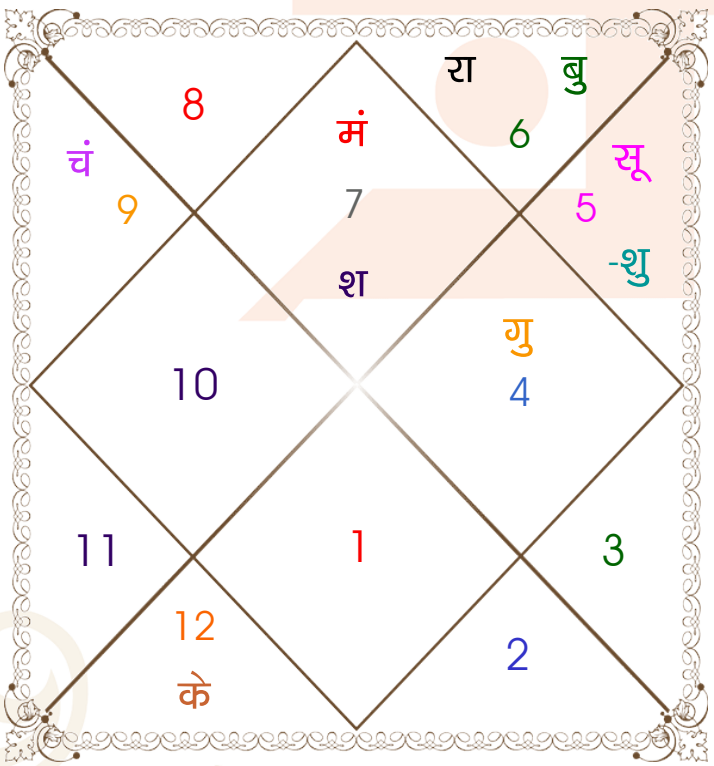

चन्द्र कुंडली

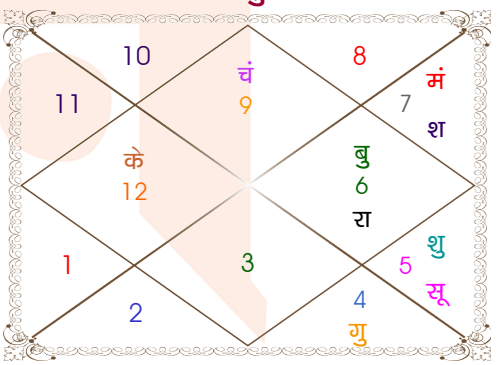

नवमांश कुंडली

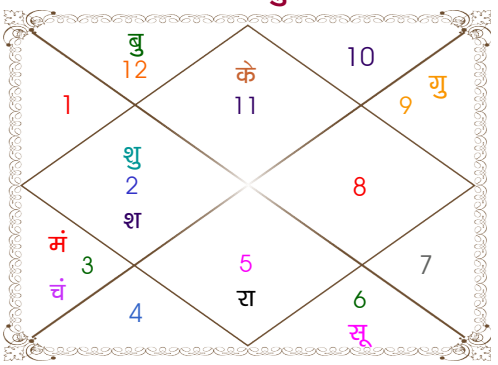

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 9 मास 4 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/09/2014		08/06/2016		08/06/2036		09/06/2042		08/06/2052	
08/06/2016		08/06/2036		09/06/2042		08/06/2052		09/06/2059	
	00/00/0000	शुक्र	09/10/2019	सूर्य	26/09/2036	चंद्र	09/04/2043	मंगल	04/11/2052
	00/00/0000	सूर्य	08/10/2020	चंद्र	27/03/2037	मंगल	08/11/2043	राहु	23/11/2053
	00/00/0000	चंद्र	09/06/2022	मंगल	02/08/2037	राहु	09/05/2045	गुरु	30/10/2054
	00/00/0000	मंगल	09/08/2023	राहु	27/06/2038	गुरु	08/09/2046	शनि	09/12/2055
	00/00/0000	राहु	09/08/2026	गुरु	15/04/2039	शनि	08/04/2048	बुध	05/12/2056
	00/00/0000	गुरु	09/04/2029	शनि	27/03/2040	बुध	08/09/2049	केतु	03/05/2057
	04/09/2014	शनि	08/06/2032	बुध	01/02/2041	केतु	09/04/2050	शुक्र	03/07/2058
शनि	12/06/2015	बुध	09/04/2035	केतु	08/06/2041	शुक्र	09/12/2051	सूर्य	08/11/2058
बुध	08/06/2016	केतु	08/06/2036	शुक्र	09/06/2042	सूर्य	08/06/2052	चंद्र	09/06/2059

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/06/2059		08/06/2077		08/06/2093		09/06/2112		09/06/2129	
08/06/2077		08/06/2093		09/06/2112		09/06/2129		00/00/0000	
राहु	19/02/2062	गुरु	28/07/2079	शनि	11/06/2096	बुध	06/11/2114	केतु	06/11/2129
गुरु	15/07/2064	शनि	07/02/2082	बुध	19/02/2099	केतु	03/11/2115	शुक्र	06/01/2131
शनि	22/05/2067	बुध	15/05/2084	केतु	31/03/2100	शुक्र	03/09/2118	सूर्य	14/05/2131
बुध	08/12/2069	केतु	21/04/2085	शुक्र	01/06/2103	सूर्य	10/07/2119	चंद्र	13/12/2131
केतु	27/12/2070	शुक्र	21/12/2087	सूर्य	13/05/2104	चंद्र	09/12/2120	मंगल	10/05/2132
शुक्र	26/12/2073	सूर्य	08/10/2088	चंद्र	12/12/2105	मंगल	06/12/2121	राहु	28/05/2133
सूर्य	20/11/2074	चंद्र	07/02/2090	मंगल	21/01/2107	राहु	24/06/2124	गुरु	04/05/2134
चंद्र	21/05/2076	मंगल	14/01/2091	राहु	27/11/2109	गुरु	30/09/2126	शनि	05/09/2134
मंगल	08/06/2077	राहु	08/06/2093	गुरु	09/06/2112	शनि	09/06/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।